स्पष्ट दृष्टि

कृतज्ञता का एक अनुभव

कुछ वर्ष पूर्व प्रसाद डि मॅक्सिको [मॅक्सिको स्थित प्रसाद की शाखा] ने गुआनाहुआतो प्रान्त में एक नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित किया था जिसमें २२० मरीज़ों की निशुल्क शल्य चिकित्सा की गई। यह कहानी उन्हीं मरीज़ों में से एक लड़की की है जिसने उस नेत्र चिकित्सा शिविर में इलाज कराया।

जब यह लड़की ग्यारह वर्ष की थी तब उसके चेहरे पर चोट लगने के कारण उसकी दोनों आखों में मोतियाबिन्द हो गया और वह पूर्णतः दृष्टिहीन हो गई। जब मैं उस लड़की से मिला तब वह बात तक नहीं करना चाहती थी, परन्तु आहिस्ता-आहिस्ता मैंने उसका विश्वास जीत लिया।

हालाँकि, उसे खुद कोई उम्मीद नहीं थी फिर भी उसकी माँ को यह विश्वास था कि उसकी दृष्टि लौट आएगी, इसलिए उसकी शल्य चिकित्सा की गई।

शल्य चिकित्सा के बाद जब उसकी आँखों की पट्टी खोली गई और वह फिर से देख सकी, तो वह इतने प्रेम और आनन्द से भर गई कि रोने लगी और उसने मुझे गले लगा लिया; वह इतनी भावविभोर हो गई थी कि कुछ बोल भी नहीं पा रही थी। फिर वह उन डॉक्टर साहब के भी गले लगी जिन्होंने उसका ऑपरेशन किया था। वहाँ उपस्थित सभी डॉक्टर अत्यन्त द्रवित हो उठे और उनमें से कुछ की आँखें भी भर आईं।

हम श्रीगुरुमाई के प्रति कृतज्ञता अर्पित करते हैं, क्योंकि हम जानते हैं कि उनकी कृपा सदैव मौजूद है।

~ प्रसाद डि मॅक्सिको के एक विश्वस्त

© २०२१ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।